सं. श्रो.वि./फरीदाबाद/93-85/27604.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राथ है कि मैं: ए.डी.एन. इण्डस्ट्रीयल इन्टर-प्राईज, प्लाट नं. 291, एन. ग्राई.टी, फरीद बाद, के श्रीमक श्री मुम्ताज ग्रंसारी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भ्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ख्रब, ख्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये. निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:---

क्या थी मुमताज ग्रसारी की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. थ्रो.वि./एफ.डी./22-85/27611.--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राध है कि मै. ए.के. इन्जीनियरिंग, 16/5 मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रीसक श्री विजयपाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विकाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं

इस लिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायानण्य के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री विजय पाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है।

मं. ग्रो.वि./एफ.डी./95-85/27618.—चूंकि हरियाणां के राज्यपाल की राथ है कि मैं. एण्डी चूलन एण्ड सिल्क मिल्स प्रा.लि:, 14/4 मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजेन्द्र प्रणाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ्ते हुए श्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादशस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:---

नया श्री राजेन्द्र प्रणाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ? सं. श्रो.वि/एफ.डी./87-85/27625.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राथ है कि मैं. श्राईणर गुडर्थ लि., 59 एन श्राई.टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजिन्द्र सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित, मामलें में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हस्याणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए, ग्रव, ग्रोद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग), द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20

जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनणय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री राजिन्द्र सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि./27632--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय हैं कि मैं. रस्तोगी एण्ड कं., कन्टीन कोन्ट्रेक्टस मार्फत मै. एस्कोर्टस ट्रेक्टर लि. सैक्टर-13, प्लाट नं. 2, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री बैसाख सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, म्रब, म्रौद्योगिक विवाद म्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (गं) द्वारा प्रदान की गई मिनितयों का प्रयोग करते हुये, हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी म्रधिसूचना सं 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये म्रधिसूचना सं 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त म्रधिसूचना की धारा 7 के म्रधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत म्रथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री बैसाख सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.बि./एफ़.डी./110-85/27639.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. सुपर स्ट्रीप प्रा. लि., 14/6, मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक भी मनमोहन पंत तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित गामले में कोई ग्रौद्यो— गिक विवाद है;

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिर्याणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुऐ श्रिधसूचना सं 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनणीय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:--

क्या श्री मन मोहन पंत की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो.वि./एफ.डी./112-85/27646.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. मिनिस्टल 96, डी.एल.एफ. एरिया, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री कमेंशवर ठाकुर तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है,

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेंतु निर्दिध्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) हारी प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उवत ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री कमें शवर ठाकुर की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?